Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

"सफलता का प्रेरक नक़्शा" – हार्वी मैके
स्विम विद द शार्क्स विदाउट बीइंग ईटन अलाइव के लेखक

डेल कारनेगी

एंड एसोसिएट्स, इंक.

स्टुअर्ट आर. लेवाइन, सीईओ और माइकल ए. क्रॉम, वीपी

आप भी लीडर बन सकते हैं

बदलती दुनिया में लोगों को प्रभावित कैसे करें और सफल कैसे हों

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

"सफलता का प्रेरक नक़्शा" – हार्वी मैके
स्विम विद द शार्क्स विदाउट बीइंग ईटन अलाइव के लेखक

डेल कारनेगी

एंड एसोसिएट्स, इंक.

स्टुअर्ट आर. लेवाइन, सीईओ और माइकल ए. क्रॉम, वीपी

आप भी लीडर बन सकते हैं

बदलती दुनिया में लोगों को प्रभावित कैसे करें और सफल कैसे हों

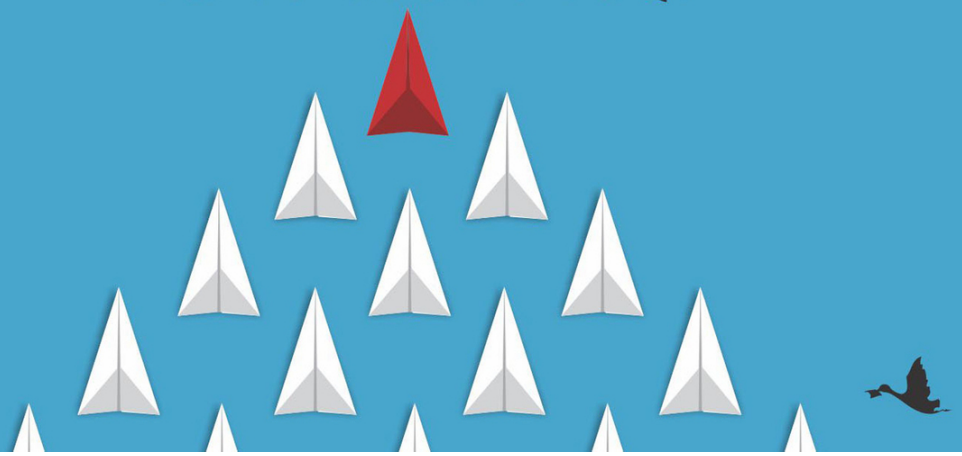

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

आप भी लीडर बन सकते हैं

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

आप भी लीडर बन सकते हैं

बदलती दुनिया में लोगों को प्रभावित कैसे करें और सफल कैसे हों

डेल कारनेगी

एंड एसोसिएट्स, इंक.

स्टुअर्ट आर. लेवाइन, सीईओ और माइकल ए. क्रॉम, वीपी

अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

MANJUL

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

मंजुल पब्लिशिंग हाउस

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

मंजुल पब्लिशिंग हाउस
कॉरपोरेट एवं संपादकीय कार्यालय
द्वितीय तल, उषा प्रीत कॉम्प्लेक्स, 42 मालवीय नगर, भोपाल-462003
विक्रय एवं विपणन कार्यालय
7/32 , अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
वेबसाइट: www.manjulindia.com
वितरण केन्द्र
अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, कोलकाता, चेन्नई,
हैदराबाद, मुम्बई, नई दिल्ली, पुणे

डेल कारनेगी ऐंड असोसिएट्स, इंक.
स्टुअर्ट आर. लेवाइन और माइकल ए. कॉम द्वारा लिखित मूल अंग्रेजी पुस्तक
द लीडर इन यू - हाउ टु विन फ़्रेंड्स, इन्फ़्लूएंस पीपल ऐंड सक्सीड
इन अ चेंजिंग वर्ल्ड का हिन्दी अनुवाद
कॉपीराइट © 2010 मंजुल पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड

यह हिन्दी संस्करण 2017 में पहली बार प्रकाशित

कॉपीराइट © 1993 डेल कारनेगी ऐंड असोसिएट्स, इंक.
सर्वाधिकार सुरक्षित

ISBN 978-81-8322-175-7

हिन्दी अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

यह पुस्तक इस शर्त पर विक्रय की जा रही है कि प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसे या इसके किसी भी हिस्से को न तो पुन: प्रकाशित किया जा सकता है और न ही किसी भी अन्य तरीक़े से, किसी भी रूप में इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

आप भी लीडर बन सकते हैं
नेतृत्व करना चाहते हैं?
पढ़ें कि बिज़नेस लीडर्स
इस पुस्तक
के बारे में क्या कहते हैं

“इस पुस्तक में कुछ भी जटिल, रहस्यमय या मुश्किल नहीं है। लेकिन इसके बावजूद यह आपको इस जटिल, मुश्किल और अक्सर रहस्यमय संसार में लीडर बना सकती है। लीडरशिप सफलता की कुंजी है।”

- बर्ट मैनिंग, चेयरमैन और सीईओ, जे. वाल्टर थॉमसन

“डेल कारनेगी की परंपरा पर चलते हुए यह पुस्तक बताती है कि लोगों के लिए असरदार लीडरशिप की कला विकसित करना कितना आसान है, जो ज़्यादातर लोगों में जन्मजात होती है। यह पुस्तक हर उस बिज़नेसमैन को पढ़नी चाहिए, जो अनिश्चित परिस्थितियों में सफल कैरियर बनाना चाहता है।”

-डॉ. इरविन एल. केलनर, चीफ़ इकोनॉमिस्ट, केमिकल बैंकिंग कॉर्प.

“सर्वश्रेष्ठ लोगों से सीखने का अनूठा अवसर: हर क्षेत्र के सच्चे चैंपियन अपनी व्यक्तिगत कहानियाँ और सफलता की अचूक रणनीतियाँ सभी को बताते हैं। मैं इस पुस्तक को 10 में से 10 नंबर देती हूँ।”

- मैरी लाउ रेटन

“लीडरशिप लोगों से विश्वास और उत्साह के साथ सही वक़्त पर सही काम करवाने की योग्यता है। प्रेरक, पठनीय और बेहद उपयोगी *द लीडर इन यू* पुस्तक यह सिखाती है कि आप अपनी नेतृत्व क्षमता कैसे विकसित करें, फिर चाहे आपका वर्तमान पद जो भी हो।”

-लॉरेंस बॉसन, प्रेसिडेंट और सीईओ, एसजीएस-थॉमसन माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, इंक.

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

हमारे बच्चों - जेसी लेवाइन, एलिज़ाबेथ और निकोल क्रोम - को, जिनके पिता बहुत लंबे समय तक काम में उलझे रहे।

और हमारी पत्नियों - नैन्सी क्रोम (जिसका सहयोग कभी कम नहीं हुआ) और हैरियट लेवाइन (जिसकी ऊर्जा और संगठनात्मक प्रतिभा ने इस पुस्तक को साकार करने में मदद की) को।

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

विषय-सूची

प्रस्तावना: लोक व्यवहार क्रांति

1 . अपने भीतर छिपे लीडर को खोजना
2 . संवाद शुरू करना
3 . लोगों को प्रेरित करना
4 . दूसरों में सच्ची दिलचस्पी का इज़हार करें
5 . सामने वाले के नज़रिए से स्थिति देखना
6 . सीखने के मकसद से सुनें
7 . भविष्य के लिए टीम बनाना
8 . दूसरों की गरिमा का सम्मान करना
9 . सम्मान, प्रशंसा और पुरस्कार
10 . ग़लतियों, शिकायतों और आलोचना से निबटना
11 . लक्ष्य तय करना
12 . एकाग्रता और अनुशासन
13 . संतुलन हासिल करें
14 . सकारात्मक मानसिक नज़रिया विकसित करें
15 . चिंता न करना सीखना
16 . जोश की शक्ति
निष्कर्ष: इसे साकार करें
आभार

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics

प्रस्तावना
लोक व्यवहार क्रांति

प्रविर्तन के लिए अपने दिमाग़ को हर वक़्त तैयार रखें। परिवर्तन का स्वागत करें। इसे आमंत्रित करें। अपनी राय और विचारों की जाँच करने तथा बांरबार जाँच करने पर ही आप तरक़्क़ी कर सकते हैं।

-डेल कारनेगी

इक्कीसवीं सदी में संसार में ज़बर्दस्त परिवर्तन हो रहे हैं। भारी उथल-पुथल और अभूतपूर्व तरक्की की प्रक्रिया चल रही है। कुछ ही सालों में हमने पोस्ट-इंडस्ट्रियल समाज का उदय, सूचना युग का प्रारंभ, कंप्यूटराइज़ेशन की दीवानगी, बायोटेक्नोलॉजी का जन्म और - इतना ही बड़ा परिवर्तन - लोक व्यवहार क्रांति को शुरू होते देखा है।

शीत युद्ध ख़त्म होने के बाद व्यावसायिक जगत बहुत प्रतिस्पर्धी हो गया है। प्रतिस्पर्धा ज़्यादा वैश्विक और पैनी बन चुकी है। आज टेक्नोलॉजी दिन दूनी रात चौगुनी गति से तरक़्क़ी कर रही है। अब कोई भी कंपनी अपने ग्राहकों की इच्छाओं और ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ करने की ग़लती नहीं कर सकती। आज कोई मैनेजर सिर्फ़ आदेश जारी करके यह उम्मीद नहीं कर सकता कि कर्मचारी बिना सोचे-विचारे उसका पालन करेंगे। न ही व्यक्तिगत संबंधों को अनदेखा किया जा सकता है। अब कंपनियाँ सतत गुणवत्ता सुधार में ज़रा सी भी ढील नहीं दे सकतीं। आज मानवीय रचनात्मकता के दोहन को क़तई नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता, जैसा अब तक होता रहा था।

आने वाले सालों में अपने अस्तित्व को कायम रखने के लिए सफल संगठनों – चाहे वे व्यवसाय के क्षेत्र में हों, सरकार में हों या ग़ैर-लाभकारी जगत में – को एक ज़बर्दस्त सांस्कृतिक परिवर्तन से गुज़रना होगा। उनमें काम करने वालों को ज़्यादा तेज़ी से सोचना होगा, ज़्यादा स्मार्ट तरीक़े से काम करना होगा, ज़्यादा बड़े सपने देखने होंगे और एक-दूसरे के साथ बहुत अलग और बेहतर तरीक़ों से जुड़ना होगा।

सबसे अहम बात, इस सांस्कृतिक परिवर्तन के लिए एक बिलकुल ही नए क़िस्म के लीडर की ज़रूरत होगी, जो उस बॉस से अलग होगा, जिसके अधीन हमने काम किया है और जैसे शायद हममें से कुछ बन भी गए हैं। वे दिन लद गए, जब किसी कंपनी को सिर्फ़ चाबुक और कुर्सी के सहारे चलाया जा सकता था।

Telegram URL: @HindiNovelsAndComics